C.W.
13.07.21
Wednesday

Date: 13.7.21
Page: 57

अनुच्छेद - लेखन - मेरा प्रिय मित्र

सबके जीवन में कोई ना कोई प्रिय मित्र होता प्रिय मित्र वह है जो आपको अपने बुरे और अच्छे समय में साथ हो, हमको मार्गदर्शन दिखाए। मेरी प्रिय मित्र मेरी माँ है। वह मेरे साथ हमेशा रहती है। मुझे पढ़ाई में मदद करती है तथा मुझे मार्गदर्शन दिखाती है। मैं उनसे अपनी सारी बात बताती हूँ। हम कभी-कभी खेलते है और बहुत मजे भी करते है। वे मुझे सही और गलत का फैसला करना भी सिखाती है। इसलिए वे मेरी प्रिय और अच्छी मित्र है।